बीएसएनएल कर्मचारियों का प्रदर्शन

आईटीएस अधिकारियों को भेजो डीओटी में

बीएसएनएल के वरिष्ठ महाप्रबंधक कार्यालय पर प्रदर्शन करते बीएसएनएल कर्मचारी व अधिकारी।

अजमेर. बीएसएनएल में लम्बे समय से प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे अधिकारियों को वापस डीओटी में भेजने की मांग को लेकर फोरम ऑफ बीएसएनएल यूनियन व एसोसिएशन के राष्ट्रीय आह्वान पर मंगलवार को बीएसएनएल कर्मचारी एवं अधिकारी संयुक्त संघर्ष समिति,अजमेर ने वरिष्ठ महाप्रबन्धक कार्यालय पर प्रदर्शन किया। संघर्ष समिति के संयोजक वी.पी.शर्मा ने बताया कि पिछले 12 वर्षों से डेपुटेशन पर कार्यरत आईटीएस अधिकारी जो कि बीएसएनएल में समायोजित नहीं होना चाहते, उन्हें डीओटी में वापस भेजा जाए।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस सम्बन्ध में स्पष्ट निर्णय दिया था कि किसी भी विभाग में अधिकारी को दो वर्ष से अधिक समय के लिए प्रतिनियुक्ति पर नहीं रखा जाना चाहिए। इसी संदर्भ में उच्च न्यायालय ने डीओटी/बीएसएनएल प्रबन्धन की अपील पर 30 सितम्बर 2012 तक सभी आईटीएस अधिकारियों को जो बीएसएनएल में समायोजित नहीं होना चाहते, उन्हें उनके मूल विभाग में भेजने के आदेश दिए थे। इसके बावजूद डीओटी /बीएसएनएल प्रबन्धन उच्च न्यायालय के निर्णय को लागू करने में टालमटोल कर आईटीएस अधिकारियों को बीएसएनएल पर थोपे रखना चाहता है। समिति ने उच्च न्यायालय के निर्णय को लागू कर आईटीएस अधिकारियों को उनके मूल विभाग में भेजने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान एआईबीएसएनएलईए के सचिव जी.एस.छाबड़ा, एसएनईए (आई) के सचिव पी.आर.नोगिया, एआईजीईटीओए के सचिव वी.एस.नरूका सहित अन्य कर्मचारी व अधिकारी शामिल थे।